



‘प्रौद्योगिकी हेतु राष्ट्रीय शैक्षणिक गठबंधन’ पहल

प्रलिस के लिये:

प्रौद्योगिकी हेतु राष्ट्रीय शैक्षणिक गठबंधन, अखलि भारतीय तकनीकी शक्तिषा परषिद (AICTE)

मेन्स के लिये:

एडटेक, राष्ट्रीय शक्तिषा नीती (NEP) 2020, आर्टफिशियल इंटेलजेंस, डजिटल डविाइड

चरचा में क्यौं?

हाल ही में मानव संसाधन वकिस मंत्रालय (MHRD) ने उच्च शक्तिषा क्षेत्र में बेहतर परणाम प्राप्त करने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिये ‘प्रौद्योगिकी हेतु राष्ट्रीय शैक्षणिक गठबंधन 3.0’ (NEAT 3.0) की घोषणा की है।

प्रमुख बदि

- **NEAT योजना का मॉडल:** यह सरकार और भारत की शक्तिषा प्रौद्योगिकी (एडटेक) कंपनयिों के बीच एक [सार्वजनिक-नजी भागीदारी मॉडल](#) पर आधारति है।
- **उद्देश्य:** NEAT का उद्देश्य समाज के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों की सुवधि के लिये शक्तिषा अध्यापन में सर्वोत्तम तकनीकी समाधानों को एक मंच पर लाना है।
- **लक्षति क्षेत्र:** इसके तहत अत्यधिक रोजगार योग्य कौशल वाले वशिषिट क्षेत्रों में सीखने या ई-सामग्री के लिये [आर्टफिशियल इंटेलजेंस](#) का उपयोग करने वाले प्रौद्योगिकी समाधानों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रति कयिा जा रहा है।
- **कार्य पद्धति:** इसके तहत सरकार एडटेक कंपनयिों द्वारा पेश कयिे जाने वाले पाठ्यक्रमों की एक शृंखला के लिये मुफ्त कूपन वतिरति करने की योजना बना रही है।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** अखलि भारतीय तकनीकी शक्तिषा परषिद (AICTE)

अखलि भारतीय तकनीकी शक्तिषा परषिद (AICTE):

- इसकी स्थापना नवंबर 1945 में राष्ट्रीय स्तर के शीर्ष सलाहकार नकियाय के रूप में की गई थी।
- इसका उद्देश्य तकनीकी शक्तिषा हेतु उपलब्ध सुवधिओं पर एक सर्वेक्षण करना और समन्वति एवं एकीकृत रूप से देश में वकिस को बढ़ावा देना है।
- राष्ट्रीय शक्तिषा नीती 1986 के अनुसार, AICTE में नहिति हैं:
 - मानदंडों और मानकों के नयिोजन, निर्माण और रखरखाव के लिये सर्वोच्च प्राधकिरण।
 - गुणवत्ता सुनिश्चति करना।
 - देश में तकनीकी शक्तिषा का प्रबंधन।

एड-टेक

- **एड-टेक के बारे में:** एडटेक एक अधिक आकर्षक, समावेशी और व्यक्तगित रूप से सीखने के अनुभव हेतु कक्षा में आईटी उपकरण का अभ्यास से संबंधति है।
- **एड-टेक के इच्छति लाभ:** प्रौद्योगिकी में अवशि्वसनीय क्षमता है और यह मानव को इच्छति लाभ प्राप्त करने में सक्षम है, जो इस प्रकार हैं:
 - शक्तिषा के अधिक-से-अधिक नजीकरण को बढ़ावा।
 - सीखने की दर में सुधार करके शैक्षणिक उत्पादकता में वृद्धि करना।

- अवसंरचनात्मक सामग्री की लागत को कम करना और बड़े पैमाने पर सेवा प्रदान करना ।
- शिक्षकों/नरिदेशकों के समय का बेहतर उपयोग करना ।
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020:** भारत की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 नरिदेश के हर स्तर पर प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के स्पष्ट आह्वान के लिये उत्तरदायी है ।
 - शिक्षा, मूल्यांकन, योजनाओं के नरिमाण और प्रशासनिक कषेत्र में तकनीकी के प्रयोग पर वचिारों के स्वतंत्र आदान-प्रदान हेतु 'राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रौद्योगिकी मंच' (National Educational Technology Forum- NETF) नामक एक स्वायत्त नकिया की स्थापना की जाएगी ।
- **स्कोप:** भारतीय एड-टेक इकोसिस्टम में इनोवेशन की काफी संभावनाएँ हैं ।
 - 4,500 से अधिक स्टार्ट-अप और लगभग 700 मलियन अमेरिकी डॉलर के मौजूदा मूल्यांकन के साथ बाज़ार तेज़ी से वकिया कर रहा है अनुमान है क अगले 10 वर्षों में इसके 30 अरब अमेरिकी डॉलर का बाज़ार बनने की संभावना है ।
- **एड-टेक के साथ जुड़े मुद्दे:**
 - **प्रौद्योगिकी पहुँच की कमी:** हर कोई जो स्कूल जाने का खर्च वहन नहीं कर सकता उनके पास ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के लिये फोन, कंप्यूटर या यहाँ तक क एक गुणवत्तापूर्ण इंटरनेट कनेक्शन भी नहीं है ।
 - वर्ष 2017-18 के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आँकड़ों के अनुसार, केवल 42% शहरी और 15% ग्रामीण परिवारों के पास इंटरनेट की सुवधा थी ।
 - ऐसे में एड-टेक पहले से मौजूद डजिटल डविाइड को बढ़ा सकता है ।
 - **शिक्षा के अधिकार के साथ वरिधाभास:** प्रौद्योगिकी सभी के लिये उपलब्ध नहीं है, पूरी तरह से ऑनलाइन शिक्षा की ओर बढ़ना उन लोगों के **शिक्षा के अधिकार** को छीनने जैसा है जो प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं कर सकते हैं ।
- **उठाए गए प्रमुख कदम :**
 - [ज्ञान साझा करने के लिये डजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर \(दीक्षा\) ।](#)
 - [पीएम ई वदिया ।](#)
 - स्वयं प्रभा टीवी चैनल
 - [स्वयं पोर्टल](#)

आगे की राह:

- **व्यापक एड-टेक नीति:** एक व्यापक एड-टेक नीति संरचना में चार प्रमुख तत्त्वों पर ध्यान दया जाना चाहिये:
 - वशिष रूप से वंचित समूहों को सीखने के लिये पहुँच प्रदान करना ।
 - शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन की प्रक्रियाओं को सक्षम करना ।
 - शिक्षक प्रशिक्षण और नरितर व्यावसायिक वकिया की सुवधा प्रदान करना ।
 - योजना, प्रबंधन और नगरानी प्रक्रियाओं सहति शासन प्रणाली में सुधार करना ।
- **प्रौद्योगिकी एक उपकरण है, रामबाण नहीं:** सार्वजनिक शिक्षण संस्थान सामाजिक समावेश और सापेक्ष समानता में अनुकरणीय भूमिका नभिते हैं ।
 - यह वह स्थान है, जहाँ सभी लगी, वर्ग, जातियों और समुदायों के लोग मलिते हैं और एक समूह को दूसरों के सामने झुकने के लिये मजबूर नहीं कया जा सकता है ।
 - इसलिये, प्रौद्योगिकी स्कूलों को प्रतस्थापति या शिक्षकों की जगह नहीं ले सकती है । इस प्रकार इसे "शिक्षक बनाम प्रौद्योगिकी" नहीं बल्क "शिक्षक और प्रौद्योगिकी" होना चाहिये ।
- **एड-टेक के लिये बुनयादी ढाँचा प्रदान करना:** तत्काल अवध में एड-टेक परदृश्य में वशिष रूप से उनके पैमाने, पहुँच और प्रभाव को पूरी तरह से मापने करने के लिये एक तंत्र होना चाहिये ।
 - शिक्षकों और छात्रों के लिये पहुँच, इक्वटी, बुनयादी ढाँचे, शासन और गुणवत्ता से संबंधति परणामों और चुनौतियों पर ध्यान केंद्रति कया जाना चाहिये ।
 - डजिटल डविाइड को दो स्तरों पर संबोधति करने के लिये वशिष ध्यान दया जाना चाहिये - प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करने और इसका लाभ उठाने के लिये पहुँच व कौशल ।

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस